हरियाणा सरकार की नाकामी का खामियाजा जनता भुगत रही है : त्रिलोचन सिंह

करनाल (जेके शर्मा) करनाल कांग्रेस के संयोजक त्रिलोचन सिंह ने डीसी को पत्र लिखकर बरसात से हुए नुकसान का जायजा लेकर राहत बचाव कार्यों में तेजी लाने की मांग की है। भारी बरसात से करनाल जिले के कई गांवों में बाढ़ से हालात हो गए हैं। सीएम सिटी के कई इलाकों में जलभराव की समस्या खड़ी हो गई है। सेक्टर 13 में सड़क का एक हिस्सा धंस भी गया है। त्रिलोचन सिंह ने पार्षद वीर विक्रम के साथ इस सड़क का निरीक्षण किया।

त्रिलोचन सिंह ने कहा कि जलभराव की समस्या हल करने के नगर निगम के दावे खोखले साबित हुए हैं। जगह-जगह जलभराव हो गया है। अगर समय रहते ड्रेन और नालों की सफाई करवाई गई होती तो ये हालात पैदा न होते। करनाल सीएम मनोहरलाल का विधानसभा क्षेत्र भी है। खेद की बात है कि सीएम अपने हलके में जनता की समस्याओं का हल नहीं कर पा रहे। हरियाणा सरकार की नाकामी का खामियाजा जनता भुगत रही है।

इंद्री में भी यमुना का कहर, प्रशासन मुस्तैद

इंद्री/करनाल (मज़दूर मोर्चा) एसडीएम अशोक कुमार ने बताया कि भारी बरसात एवं यमुना नदी के किनारे टूटने से उपमंडल इंद्री के आसपास के गांव में पानी भर गया है। बाढ़ग्रस्त इलाकों में जरूरतमंद लोगों के लिए प्रशासन द्वारा खाने पीने की चीजों के अलावा आवश्यक वस्तुएं वितरित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से बाढ़ ग्रस्त इलाकों के लोगों की हर प्रकार से सहायता की जा रही है। एसडीएम अशोक कुमार ने लोगों का आह्वान किया कि वे इस मुश्किल की घड़ी में घबराएं नहीं बल्कि धैर्य से काम लें। प्रशासन लोगों की सहायता के लिए हर संभव सहायता करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी, स्थिति पर नजर रखने के लिए प्रशासन द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रशासन किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कठिनाई हो तो वह प्रशासन से तुरंत संपर्क करें, ताकि समय रहते समस्या का समाधान किया जा सके।

एसडीएम अशोक कुमार ने उपमंडल स्तर पर बाढ़ से संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि यमुना नदी के साथ लगते गांव के लोगों से संपर्क बनाए रखें, ताकि बाढ़ इत्यादि से निपटने के लिए बाढ़ ग्रस्त गांव में तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके। प्रशासन के संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी बाढ़ इत्यादि के समय लोगों की मदद के लिए तैयार है।

नियम से ऊपर कोई नहीं

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) भक्ति की मस्ती में नियमों को ताक पर रख कर जान जोखिम में डालना खतरनाक होता है। गांव भतोला में बिजली के हाई टेंशन तार छूने के कारण टाटा 407 में उतरे करंट और एक बच्चे सहित दो लोगों की मौत होना इसका उदाहरण है।

सावन पर कावंड़ियों को जल लाने की सुविधा देने के लिए प्रशासन मुख्य मार्ग का आवागमन रोकने से लेकर उनके गुजरने वाले रूट की बिजली आपूर्ति ठप करने, उनकी सुरक्षा के उपाय जैसे जतन करता है। इससे आम जनता को आवागमन में असुविधा होती है, बिजली कटौती होने के कारण सामान्य जीवन प्रभावित होता है बावजूद इसके भक्तों के हित में ये कदम उठाए जाते हैं। प्रश्न उठता है कि प्रशासन जब इतनी व्यवस्था करता है तो फिर कांवड़िये हादसे का शिकार क्यों होते हैं। जवाब आसान है कि कांवड़ निकालने की आड़ में दिखावा और ढोंग करना। इसमें कांवड़ और जल तो पीछे रह जाता है सामने होते हैं डीजे के कानफोड़ू संगीत (शोर) पर नाचने गाने के नाम पर उल्टी सीधी हरकतें करते कथित कावंड़िए। खुद को नियम और व्यवस्था से ऊपर मानने वाले इन कांवड़ियों को लगता है कि तारों में बह रही बिजली उनकी गुलाम है इसलिए उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा या सड़कों पर उनकी लेन छोड़ कर आ-जा रहे वाहन जिसमें ट्रक, बस, ट्रैक्टर , कार आदि कुछ भी हो सकते है उनके आगे आकर यदि अचानक आकर रास्ता रोकेंगे तो उन्हें रुकना होगा। इसी अतिउत्साह में कांवड़िए हादसे का शिकार होते हैं।

ऐसा नहीं है कि धर्मांधता में डूबने वाले सिर्फ कांवड़िए ही होते हैं, बारावफात, मूर्ति विसर्जन आदि जुलूसों में हादसे की खबरें भी आती रहती हैं। दरअसल प्रशासन सुरक्षा के इंतजाम तो सभी जुलूसों में करता है लेकिन ये जुलूस कब भीड़ तंत्र और अराजकतंत्र में तब्दील हो जाते हैं पता नहीं चलता। भीड़ में मौजूद लोग भी नियमों की अनदेखी कर जान जोखिम में डालने वाले चंद लोगों का अनुसरण करते हैं और प्रशासन धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए इसे चुपचाप देखता रहता है। नतीजा हादसे के रूप में सामने आता है। यदि भक्त अनुशासित होकर नियमों का पालन करते हुए परंपराओं का निर्वहन करें तो ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है।

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लबगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।
2. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
3. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।
4. जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207
5. मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919
6. सुरेन्द्र बघेल-बस अड्डा होडल - 9991742421

संभावित शिकारों को फंसाएंगे, अम्मा की आय बढ़ाएंगे

हिंदुस्तान सिरिंज ने अम्मा अस्पताल को सीएसआर के तहत सौंपी एक करोड़ की आईलैब वैन

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) पंच सितारा सुविधाओं से लैस अम्मा अस्पताल की आमदनी बढ़ाने के लिए अब दस लाख गरीब और बुजुर्गों की बीमारी की जांच के नाम पर प्रपंच रचा गया है। इसके लिए कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी की आड़ ली जा रही है यानी व्यापार को समाज सेवा और आध्यात्मिकता का जामा पहनाया गया है। हिंदुस्तान सिरिंज एंड मेडिकल डिवाइसेस लिमिटेड की सीएसआर विंग ने अम्मा अस्पताल को करीब एक करोड़ कीमत वाली मोबाइल आईलैब सौंपी है। यह लैब फरीदाबाद-पलवल और आसपास के जिलों में गरीब मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें अस्पताल पहुंचाएगी, ताकि उन्हें लूटा जा सके।

नहर पार क्षेत्र में हजारों करोड़ रुपये खर्च कर तैयार हुए अम्मा के पंच सितारा हॉस्पिटल को शहर में पहले से स्थापित अन्य पंच सितारा अस्पतालों से कड़ी टक्कर मिल रही है। ऐसे में अम्मा अस्पताल में मरीजों के मरने के बाद भी उन्हें इलाज के नाम पर भर्ती रख कर परिजनों से लाखों रुपये ऐंठने के दो मामले प्रकाश में आने से जो बदनामी हुई उससे अस्पताल में मध्यम और निम्न मध्यम आय वर्ग के मरीजों ने आना लगभग बंद कर दिया। अस्पताल की लूट आमदनी की पहली सीढ़ी ओपीडी हैं। यहां प्राथमिक जांच होने के बाद ही मरीज को भर्ती कर इलाज किया जाता है। ओपीडी घटने से अस्पताल की आईपीडी में भी कमी आने लगी। इतने बड़े अस्पताल का प्रबंधन, स्टाफ, बिजली पानी आदि का खर्च देखते हुए अब ज्यादा से ज्यादा लोगों को बीमारी का डर दिखा कर अस्पताल लाने की योजना तैयार की गई है ।

इसके लिए हिंदुस्तान सिरिंज की मदद ली गई। अम्मा के आध्यात्मिक प्रभाव वाली आंध्र प्रदेश की कंपनी से एक करोड़ में खरीदी गई इस लैब में ओपीडी सहित बीमारियों और खून की जांच की सुविधा है। अम्मा अस्पताल के एडमिनिस्ट्रेटिव डायरेक्टर स्वामी निजामृतानंद पुरी ने कहा कि ग्रामीण और दूर-दराज के स्थानों में पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी है। नवीनतम डायग्नोस्टिक उपकरणों से लैस आईलैब यूनिट लोगों के लिए जीवन रेखा का काम करेगी और उनमें मौजूद स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगाने में मदद करेगी। इस पहल का उद्देश्य दस लाख से अधिक लोगों खासकर गरीब और बुजुर्गों तक चिकित्सा सेवाएं पहुंचाना है।

ये छिपा हुआ नहीं है कि मुनाफाखोर अस्पताल इस तरह के स्वास्थ्य कैंप मरीजों की पहचान कर उन्हें अस्पताल तक खींच कर लाने और फिर इलाज के नाम पर मोटी रकम वसूलने के लिए करते हैं। अम्मा अस्पताल ने भी दस लाख से अधिक लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यानी इस आईलैब से भी यही किया जाएगा, मरीज की जांच कर उसे गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने या बीमारी की शुरुआत होने का डर दिखा कर पूरी जांच और इलाज कराने के नाम पर अस्पताल का ग्राहक बनाया जाएगा। यह भी बताते चलें कि आईलैब में ब्लड प्रेशर, आंख, दांत आदि की जांच मुफ्त होंगी बाकी जांचों के लिए उचित कीमत तय की जाएगी यानी आईलैब में जांच के पैसे भी चुकाने होंगे, मुफ्त सुविधा वही होगी जिसमें अस्पताल का कोई खर्च नहीं होगा।

प्रतिमा लगने से पहले ही टूटा महात्मा फुले चौक, बस से लगी टक्कर

करनाल (मज़दूर मोर्चा) करनाल में हांसी चौक के पास महात्मा ज्योति बा फुले चौक पर प्रस्तावित प्रतिमा स्थली का प्लेटफार्म रोडवेज बस की टक्कर लगने से टूट गया। नगर निगम और स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत यहां पर महात्मा फुले की प्रतिमा स्थापित की जानी है। यहां प्रतिमा लगाने की मांग करने वालों का आरोप है कि प्रशासन और नगर निगम ने प्लेटफार्म बनाने में घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग किया हैं।

पिछले काफी समय से करनाल में सैनी समाज के साथ पिछड़ा वर्ग तथ सर्व समाज के लोग हांसी चौक पर प्रतिमा लगाने की मांग कर रहे थे। यहां पर चौक पहले भी बनाया गया लेकिन पहले भी एक ट्रक ने इस चौक को टक्कर मार दी। उसके बाद नगर निगम और स्मार्ट सिटी परियोजना के अफसरों ने प्रतिमा स्थली पर प्लेटफार्म तो बना दिया लेकिन प्रतिमा को नहीं लगाया।

खाली प्रतिमा स्थल लंबे समय से महात्मा फुले की प्रतिमा का इंतजार कर रहा था। अब समाज द्वारा प्रतिमा का निर्माण करवाया जा रहा था। कुछ दिन पहले तेज गति से आ रही बस ने प्रतिमा स्थली को तोड़ दिया। प्रतिमा प्लेटफार्म काफी क्षतिग्रस्त हुआ है। राष्ट्रीय सैनी सभा के हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष रमेश ने बताया कि इस प्लेटफार्म को बनाने में सरकारी अफसरों ने घोटाला किया है। इसमें घटिया सामग्री का उपयोग किया है, उन्होंने कहा कि यहां पर घटिया ईंटें सीमेंट का प्रयोग किया गया। इसके अलावा सुरक्षा के नजरिए से इसका सही निर्माण नहीं किया है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल से महात्मा फुले की प्रतिमा स्थली को बनवाने की मांग की। सर्व समाज और सैनी समाज यहां पर प्रतिमा के निर्माण को लेकर तैयारी कर रहा हैं। उन्होंने कहा कि घटिया सामग्री का उपयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

सचिव, डलसा ने प्लेस ऑफ सेफ्टी का किया निरीक्षण

करनाल (मज़दूर मोर्चा) उच्च न्यायालय, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण सुश्री जसबीर करनाल ने प्लेस ऑफ सेफ्टी, करनाल का बुधवार को औचक निरीक्षण किया। रसोई घर का निरीक्षण कर खाने की गुणवत्ता परखी। प्लेस ऑफ सेफ्टी में रहने वाले बच्चों की कुल संख्या 176 थी। उन्होंने बंदी संवासियों के साथ बातचीत की और उन्हें कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत उनके अधिकारों के बारे में भी जागरूक किया। अधीक्षक को बैरकों और पुस्तकालय में बच्चों के कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी स्थापित / प्रदर्शित करने का भी निर्देश दिया ताकि बच्चों को कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत बनाए गए नियम और कानून द्वारा निर्धारित उनके कानूनी अधिकारों से अवगत कराया जा सके।

कुछ बच्चों जो प्लेस ऑफ सेफ्टी मधुबन, ने विभिन्न न्यायालयों में लंबित अपने मामलों की शीघ्र सुनवाई के लिए अनुरोध किया। अधीक्षक को उनके आवेदनों को अग्रेषित करने का निर्देश दिया ताकि मामला संबंधित न्यायालयों के ध्यान में लाया जा सके।

अधिकारियों को विभिन्न कानूनी सहायता योजनाओं और ऐसी सेवाओं का लाभ उठाने की प्रक्रिया आदि के बारे में अवगत कराया गया। उन्हें किशोर न्याय अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों के अस्तित्व और बच्चों / कैदियों के कल्याण के तहत गठित समितियों के अस्तित्व के बारे में भी अवगत कराया गया। उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, करनाल की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया।